International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

विद्यार्थियों के लिंग के आधार पर छात्र-छात्राओं के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन

प्रज्ञा चंद्राकर[1], डॉ. जगदीश प्रसाद [2]

[1]शोधार्थी, [2]शोध निर्देशक, सहायक प्राध्यापक
भारती विश्वविद्यालय. दुर्ग (छ.ग)

सारांश:
यह शोध पत्र उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र-छात्राओं के समायोजन के विभिन्न आयामों का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करता है। शोध का मुख्य उद्देश्य यह जानना है कि लिंग के आधार पर समायोजन में कोई महत्वपूर्ण अंतर है या नहीं। समायोजन के तीन आयाम—भावनात्मक, सामाजिक, और शैक्षिक—तथा पूर्ण समायोजन को मापा गया है। इसके लिए डॉ. ए.के.पी. सिंह एवं डॉ. आर.पी. सिंह (2017) द्वारा निर्मित समायोजन सूची का उपयोग किया गया तथा आंकड़ों का विश्लेषण t-test के माध्यम से किया गया।

अध्ययन के उद्देश्य

1. छात्र-छात्राओं के भावनात्मक समायोजन में अंतर का अध्ययन करना।
2. छात्र-छात्राओं के सामाजिक समायोजन में अंतर का अध्ययन करना।
3. छात्र-छात्राओं के शैक्षिक समायोजन में अंतर का अध्ययन करना।
4. पूर्ण समायोजन में लिंग के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना

H_0: छात्र-छात्राओं के समायोजन में लिंग के आधार पर कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं होगा।

न्यादर्श एवं उपकरण

शोध हेतु कुल 100 विद्यार्थियों (50 छात्र एवं 50 छात्राएँ) का चयन किया गया। समायोजन मापने हेतु डॉ. ए.के.पी. सिंह एवं डॉ. आर.पी. सिंह (2017) की समायोजन सूची का प्रयोग किया गया।

सांख्यिकीय तकनीक

आंकड़ों के विश्लेषण के लिए t-test का प्रयोग किया गया ताकि छात्र-छात्राओं के समायोजन में अंतर की गणना की जा सके।

परिणाम एवं विवेचना

तालिका क्रमांक :1
ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के समायोजन का तुलनात्मक विश्लेषण

समायोजन आयाम	समूह	माध्य	SD	N	t-मूल्य
भावनात्मक	छात्र	58.2	6.1	50	3.45
	छात्राएँ	62.5	5.6	50	
सामाजिक	छात्र	60.1	5.9	50	
	छात्राएँ	64.3	6.3	50	3.21

शैक्षिक	छात्र	57.6	6.4	50	
	छात्राएँ	60.9	5.7	50	2.55
पूर्ण समायोजन	छात्र	175.9	13.2	50	4.20
	छात्राएँ	187.7	12.5	50	

व्याख्या

प्रस्तुत तालिका में उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों एवं छात्राओं के समायोजन स्तर का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है, जिसमें समायोजन के तीन प्रमुख आयामों – भावनात्मक, सामाजिक और शैक्षिक – के साथ-साथ पूर्ण समायोजन को भी सम्मिलित किया गया है। अध्ययन में कुल 100 विद्यार्थियों (50 छात्र एवं 50 छात्राएँ) को शामिल किया गया।

भावनात्मक समायोजन में छात्राओं का औसत स्कोर 62.5 तथा छात्रों का 58.2 पाया गया, जिसमें t-मूल्य 3.45 था। यह स्पष्ट करता है कि छात्राओं का भावनात्मक समायोजन स्तर छात्रों की अपेक्षा अधिक है और यह अंतर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण है। इसी प्रकार, सामाजिक समायोजन में भी छात्राएँ (माध्य 64.3) छात्रों (माध्य 60.1) से आगे रहीं, जहाँ t-मूल्य 3.21 पाया गया। यह अंतर भी महत्वपूर्ण है, जो दर्शाता है कि छात्राएँ सामाजिक रूप से अधिक समायोजित हैं।

शैक्षिक समायोजन में छात्राओं का माध्य 60.9 तथा छात्रों का 57.6 रहा, जिसके बीच t-मूल्य 2.55 था। यह अंतर भी सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण सिद्ध होता है और दर्शाता है कि छात्राएँ शैक्षिक रूप से भी बेहतर समायोजित हैं। पूर्ण समायोजन के अंतर्गत छात्राओं का औसत 187.7 तथा छात्रों का 175.9 रहा, जिसमें t-मूल्य 4.20 था, जो अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि छात्राओं के समायोजन स्तर (भावनात्मक, सामाजिक, शैक्षिक और पूर्ण समायोजन) छात्रों की तुलना में अधिक है। प्रत्येक आयाम में t-मूल्य 0.05 स्तर पर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण पाए गए हैं। अतः शून्य परिकल्पना (H_0) को अस्वीकार किया गया है। इसका निष्कर्ष यह है कि लिंग के आधार पर छात्रों और छात्राओं के समायोजन में महत्वपूर्ण अंतर पाया गया।

निष्कर्ष

शोध निष्कर्षों से यह स्पष्ट होता है कि छात्राओं का समायोजन स्तर छात्रों की तुलना में अधिक है। अतः यह अनुशंसा की जाती है कि विद्यालय स्तर पर छात्रों के समायोजन को बेहतर बनाने हेतु विशेष परामर्श, गतिविधियाँ एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाए।

संदर्भ सूची:

1. सिंह, ए.के.पी. एवं सिंह, आर.पी. (2017). समायोजन सूची. नेशनल साइकोलॉजिकल कॉरपोरेशन.
2. गैरेट, हेनरी ई. (2011). साइकोलॉजी एण्ड एजुकेशन में सांख्यिकी. सुरजीत पब्लिकेशन.
3. बेस्ट, जे. डब्ल्यू., एवं कह्न, जे. वी. (2016). रिसर्च इन एजुकेशन. पियर्सन एजुकेशन.
4. शर्मा, आर.ए. (2020). मनोवैज्ञानिक परीक्षण. र.लाल बुक डिपो.
5. मंगल, एस.के. (2019). उन्नत शैक्षिक मनोविज्ञान. फील्ड पब्लिकेशन.